

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया के प्रबंधन अध्ययन विभाग को मिला- ट्राइबल सस्टेनेबिलिटी पर नेशनल  
आईसीएसएसआर रिसर्च प्रोजेक्ट**

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2026

इंडियन काउंसिल ऑफ़ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) ने भारत के विशेष रूप से कमज़ोर ट्राइबल ग्रुप्स (PVTGs) पर मल्टी-डिसिप्लिनरी स्टडीज़ के लिए अपने दूसरी कॉल (2025-26) के तहत, प्रबंधन अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली को एक प्रसिद्ध मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च प्रोजेक्ट सौंपा है। इस प्रोजेक्ट को एक कड़े कॉम्पिटिटिव नेशनल इवैल्यूएशन प्रोसेस के बाद मंजूरी मिली है, जो विभाग के लिए एक बड़ी अकादमिक सफलता है।

इस रिसर्च प्रोजेक्ट को प्रबंधन अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तौफीक अहमद सिद्दीकी लीड कर रहे हैं। विभाग के एक और इन्वेस्टिगेटर डॉ. मो. ओबैदुल ओला, सहायक प्रोफेसर हैं। समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रवींद्र रमेश पाटिल भी इस प्रोजेक्ट के एक इन्वेस्टिगेटर हैं।

₹16 लाख के मंज़ूर बजट के साथ, "इंटीग्रेटिंग इंडिजिनस नॉलेज, फॉरेस्ट राइट्स एंड डिजिटल इनोवेशन फॉर सस्टेनेबल ट्राइबल डेवलपमेंट: ए स्टडी ऑफ़ असुर कम्युनिटी ऑफ़ झारखंड" शीर्षक का यह मंज़ूर प्रोजेक्ट, प्रबंधन अध्ययन विभाग में चलाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के खास तौर पर कमज़ोर ट्राइबल ग्रुप्स में से एक, असुर ट्राइब के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट के उपाय की जांच करना है। यह स्टडी एक मल्टीडिसिप्लिनरी फ्रेमवर्क अपनाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि कैसे इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम, फॉरेस्ट राइट्स को लागू करना और डिजिटल इनक्लूजन की पहल मिलकर ट्राइबल कम्युनिटीज़ के अंदर रोज़ी-रोटी की उपलब्धता, कम्युनिटी एंटरप्रेन्योरशिप और सोशियो-इकोनॉमिक एम्पावरमेंट को मज़बूत कर सकती हैं।

इस प्रोजेक्ट को प्रबंधन अध्ययन विभाग को देने से यह पता चलता है कि मैनेजमेंट रिसर्च का दायरा कन्वेंशनल बिज़नेस डोमेन से आगे बढ़कर इनक्लूसिव डेवलपमेंट, सोशल इनोवेशन और पब्लिक पॉलिसी एंगेजमेंट की ओर बढ़ रहा है। प्रोजेक्ट को मैनेजमेंट स्टडीज़ के कॉन्टेक्ट में रखकर, रिसर्च गवर्नेंस मैकेनिज़्म, इंस्टीट्यूशनल इफेक्टिवनेस, कम्युनिटी एंटरप्रेन्योरशिप और मार्जिनलाइज़्ड पॉपुलेशन के लिए ज़रूरी टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी पर ज़ोर देगी।

यूनिवर्सिटी कम्युनिटी रिसर्च टीम को इस बड़ी पहचान के लिए बधाई देती है और प्रोजेक्ट के सफल इम्प्लीमेंटेशन और भारत में बराबर और सस्टेनेबल ट्राइबल डेवलपमेंट में इसके योगदान की उम्मीद करती है।

प्रो .साइमा सईद  
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी